nandgaon times JULAI-11-2.qxd 7/11/2025 12:01 AM Page 1

महापौर ने किया मोहारा नदी एवं जल... पृष्ठ 2 | शासकीय सोसायटी में पर्याप्त... पृष्ठ 3

नांदगांव टाइम्स

शुक्रवार, 11 जुलाई 2025, राजनांदगांव | आरएनआई 30910/76 | वर्ष 49, अंक 261, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुपए

नोट :- मकान, फ्लैट, दुकान, गोदाम किराये पर लेने एवं देने की विशेष व्यवस्था साथ ही जमीन प्लाट हेतु डायवर्सन के दस्तावेज व ऋण पुस्तिका बनवाने के कार्य की सुविधा।

।। जय श्री जलाराम ।।

श्री जलाराम प्रॉपर्टी डीलर

उचित दर पर मकान, फ्लैट, डुप्लेक्स, दुकान, ऑफिस, गोदाम, जमीन, प्लाट की खरीदी-बिक्री हेतु संपर्क करें।

ऑफिस- बागड़ी ब्रदर्स के बाजू में, रामाधीन मार्ग, राजनांदगांव।

मो: 98274-61508, 83192-88559

बच्चों के पोषण अभियान के साथ महिलाओं की आर्थिक समृद्धि को मजबूती देगी यह पहल : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने रेडी टू ईट निर्माण एवं वितरण हेतु रायगढ़ में 10 महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपे अनुबंध पत्र मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने रेडी टू ईट निर्माण एवं वितरण हेतु रायगढ़ में 10 महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपे अनुबंध पत्र छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की एक और गारंटी को पूरा करते हुए रेडी टू ईट निर्माण का कार्य पुन: महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपने के निर्णय पर अमल की पहल की शुरुआत आज रायगढ़ जिले से की गई है। रायगढ़ जिले के सभी 2709 आंगनबाड़ी केंद्रों में रेडी टू इट फूड अब महिला स्व सहायता समूहों द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने रायगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में 10 महिला स्व-सहायता समूहों को रेडी टू ईट निर्माण एवं वितरण के लिए अनुबंध पत्र सौंपे। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, रायगढ़ सांसद श्री राधेश्याम राठिया, राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिखा रविंद्र गबेल, महापौर श्री जीवर्धन चौहान एवं जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुषमा खलखो उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए पूरक पोषण आहार (रेडी टू ईट) के निर्माण एवं वितरण का कार्य महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपने का निर्णय लिया है। यह कार्य प्रारंभिक चरण में 6 जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रारंभ किया जाएगा। रायगढ़ इस पहल का पहला जिला बना है, जहाँ 10 महिला स्व-सहायता समूहों को अनुबंध पत्र वितरित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन समूहों की बहनें अब आंगनबाड़ी के बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के साथ-साथ इस कार्य से अपनी आमदनी भी बढ़ाएंगी, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकेंगी। यह योजना महिलाओं को स्वरोजगार के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी एक सार्थक पहल है। साथ ही, बच्चों को पोषण युक्त आहार प्रदान कर राज्य के पोषण स्तर में सुधार लाने में भी यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि विगत डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की गारंटी के अधिकांश कार्यों को धरातल पर उतारा गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना, 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी, दो वर्षों का बकाया बोनस वितरण, महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता राशि, तेन्दूपत्ता संग्रहण दर में 5500 रुपये प्रति मानक बोरा की वृद्धि तथा चरण पादुका योजना की पुन: शुरुआत जैसे कार्य इसके सशक्त उदाहरण हैं। साथ ही, रामलला दर्शन योजना एवं तीर्थयात्रा योजना के माध्यम से प्रदेशवासियों को धार्मिक स्थलों की यात्रा का लाभ भी दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अटल डिजिटल सेवा केन्द्रों की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को उनके गांव में ही बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना है। अब तक प्रदेश की 1,460 पंचायतों में ऐसे सेवा केन्द्र स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे हजारों माताएं और बहनें सरल, सुरक्षित और सुलभ बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा रही हैं। आने वाले समय में शेष पंचायतों को भी इस सुविधा से जोड़ा जाएगा।

डॉ. रमन सिंह शहर के विकास के लिये हमेशा सजग : सुमीत भाटिया

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शहर भारतीय जनता पार्टी उत्तर मंडल के अध्यक्ष सुमीत सिंह भाटिया ने एक प्रेस बयान में कहा कि डॉ. रमन सिंह शहर के विकास के लिये सदैव सजग रहने वाले जनप्रतिनिधि है। उनके मुख्यमंत्रित्व काल में शहर की प्रगति का जो कीर्तिमान स्थापित हुआ, वह नागरिकों के स्मृति पटल से कभी विस्मृत नहीं होगी। शहर के भीतर जहॉ सड़को का जाल बिछाने की बात हो या अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम का निर्माण हो, उसमें एस्ट्रोटर्फ बिछाने की बात हो, मेडिकल कॉलेज की उपलब्धि हो या चैपाटी क्षेत्र का विकास हो अथवा राजनांदगांव में नये शिक्षण संस्थानों के प्रारंभ करने का विषय हो। डॉ. साहब ने हमेशा शहर के विकास और भलाई के लिये कार्य किया। श्री भाटिया ने आगे कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा हॉल ही में स्वीकृत किये गये रेवाडीह चैक से रामकृष्ण नगर चैक तक सर्विस रोड का निर्माण उनके शहर के प्रति गंभीर सोच को उजागर करता है। उन्होनें कहा कि इस क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज होने से आम लोगो की आवाजाही बढ़ गई थी और आये दिन इस क्षेत्र में आम लोग दुर्घटना के शिकार होते थे। जब उन्हे इस बात की जानकारी हुई तब वे तत्काल ही केन्द्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नीतिन गड़करी जी से चर्चा कर उन्हे पत्र लिखकर इस समस्या से अवगत कराया और इसका हल भी ले आयें। इसी तरह पारीनाला चैक से राम दरबार तक के सर्विस रोड का कार्य पूरा हो चुका है जिससे शहर आने वाले लोगों को काफी सुविधा का अनुभव होगा। उन्होंने इन जनोपयोगी कार्यो के लिये डॉ. रमन सिंह, क्षेत्रीय सांसद संतोष पाण्डेय व केन्द्रीय परिवहन मंत्री नीतिन गड़करी का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद शहर व क्षेत्र में विकास की नई बयांर चलना शुरू हुई है जो निरंतर आगे बढ़ती रहेगी।

देवी दर्शन करके नए थाना प्रभारी उपेन्द्र शाह ने संभाला पदभार.

डोगरगढ़(नांदगांव टाइम्स)। मां बम्लेश्वरी देवी दरबार में पहुंचकर विधि विधान से पूजा-अर्चना कर माता का आशीर्वाद प्राप्त कर नए थाना प्रभारी उपेंद्र शाह ने मंगलवार को थाना डोंगरगढ़ प्रभारी की नवीन जिम्मेदारी संभाल ली है। गौरतलब है कि उपेन्द्र शाह इससे पूर्व विभिन्न स्थानों पर अपने कर्तव्यों का निष्ठा के साथ निर्वहन कर चुके हैं। कार्यभार ग्रहण के दौरान उन्होंने शांति व्यवस्था बनाए रखने और जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण के प्रति अपनी प्राथमिकता जाहिर की। थाना स्टाफ ने भी नवपदस्थ थाना प्रभारी का आत्मीय स्वागत कर सहयोग का भरोसा दिलाया। उपेंद्र शाह ने कहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए पुलिस टीम के साथ मिलकर कार्य करेंगे और अपराध नियंत्रण को प्राथमिकता देंगे।

मां बमलेश्वरी पहाड़ी से गिरी विशाल चट्टान, बड़ा हादसा टला

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। मां बमलेश्वरी पहाड़ी पर सोमवार सुबह एक विशाल चट्टान खिसककर गिर गई, जिससे इलाके में दहशत फैल गया और बड़ा हादसा होने से बच गया. वहीँ चट्टान गिरने से कई बड़े पेड़ धराशायी हो गए और दर्शन के लिए बनी पीछे की नई सीढ़ियों का एक हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया.स्थानीय लोगों ने बताया कि पहाड़ी पर ऐसा हादसा पहली बार हुआ है. स्थानीय निवासी मान बाई नेताम ने बताया कि सुबह जैसे बादल गरजते हैं वैसे आवाज आई और हमारा लड़का चिल्लाया कि माई, पत्थर गिर रहा है. हम लोग बचपन से यहां हैं, लेकिन ऐसा पहली बार देखा.ज्ज् गनीमत रही कि चट्टान दूसरी चट्टानों पर अटक गई, वरना नीचे बसे घरों और रास्तों पर बड़ा हादसा हो सकता था. सूत्रों की मानें तो पहाड़ी के ऊपर एक बड़ी चट्टान को हटाने के लिए बारूदी ब्लास्टिंग की गई थी, जिससे पहाड़ी की संरचना कमजोर हो गई. इसके अलावा पहाड़ी पर लंबे समय से हो रहा अवैज्ञानिक निर्माण, पत्थरों की कटाई और पेड़ों की अंधाधुंध कटाई भी इस हादसे का कारण मानी

जा रही है.इस तरह की गतिविधियां पहाड़ी की मजबूती को कमजोर कर रही हैं.हादसे में पहाड़ी पर रणचंडी मंदिर की ओर बनी करीब 500 सीढ़ियों के ऊपर का हिस्सा टूटकर क्षतिग्रस्त हो गया और मार्ग अवरुद्ध हो गया. डोंगरगढ़ का मां बमलेश्वरी मंदिर विश्व प्रसिद्ध है और यहां हर साल लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। ऐसे में हादसे ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस घटना को लेकर वन परिक्षेत्र अधिकारी भूपेंद्र उइके ने कहा कि मां बमलेश्वरी

पहाड़ी के पीछे दर्शन मार्ग में गिरी चट्टान और पेड़ों को हटाकर रास्ता साफ करा दिया गया है ताकि श्रद्धालुओं का आना-जाना बाधित न हो। उन्होंने बताया कि दो विशाल चट्टानों के गिरने से कई पेड़ जरूर धराशायी हुए हैं, चूंकि ये बड़ी चट्टान है इसे हटाया नहीं जा सकता, लेकिन गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। प्रथम दृष्टया यह प्राकृतिक आपदा का मामला प्रतीत होता है, लेकिन वन विभाग घटना के कारणों की जांच करेगा और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा. फिलहाल मां बमलेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति का चुनाव चल रहा है, जिससे इतनी बड़ी घटना के बावजूद ट्रस्ट की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मंदिर संचालन और श्रद्धालुओं की व्यवस्था ट्रस्ट की जिम्मेदारी है, जबकि पहाड़ी और पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी पर्यावरण मंत्रालय और संबंधित विभागों की है।बिना भू-वैज्ञानिक परीक्षण के पहाड़ी पर की जा रही खुदाई, बारूदी ब्लास्टिंग और अवैज्ञानिक निर्माण कार्यों पर पर्यावरण मंत्रालय और संबंधित विभागों को तत्काल संज्ञान लेना चाहिए.यदि पहाड़ी पर हो रहे अंधाधुंध निर्माण और छेड़छाड़ को नहीं रोका गया तो भविष्य में बड़ा हादसा हो सकता है. यह घटना प्रशासन और ट्रस्ट के लिए चेतावनी है कि आस्था और विकास के बीच पर्यावरणीय संतुलन बनाना जरूरी है. लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और पहाड़ी के संरक्षण के लिए प्रशासन, ट्रस्ट और पर्यावरण मंत्रालय को मिलकर ठोस कदम उठाने होंगे.तभी मां बमलेश्वरी पहाड़ी की आस्था और उसका प्राकृतिक वैभव सुरक्षित रह पाएगा.

अपर कलेक्टर ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का किया निरीक्षण

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे के निर्देश पर अपर कलेक्टर श्री सीएल मारकण्डेय ने आज बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने छुरिया विकासखंड के ग्राम गेंदाटोला के समीप फाफामार नाला में डूबे हुए दो व्यक्ति श्री केशव धरमगुड़ी एवं श्री देवेन्द्र यादव के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने बताया कि मृतक श्री केशव धरमगुड़ी का शव मिल गया है। ग्राम पंचायत द्वारा श्रद्धांजलि योजना के तहत उनका अंतिम संस्कार किया गया। अपर कलेक्टर ने एसडीएम डोंगरगांव को आरबीसी 6-4 के तहत प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि आरबीसी 6-4 के तहत मृतक के परिवार को 4 लाख रूपए की राशि प्राप्त होगी। उन्होंने बताया कि एसडीआरएफ की टीम द्वारा दूसरे व्यक्ति श्री देवेन्द्र यादव की तलाश की जा रही है। नगर सेनानी श्री अरूण कुमार सिंह ने बताया कि उनकी टीम द्वारा राहत एवं बचाव के लिए लगातार कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि मृतक श्री केशव धरमगुड़ी का शव प्राप्त हो गया है। वहीं दुर्ग से राज्य आपदा मोचन बल की टीम यहां रेस्क्यू के लिए आयी है।

नाले में बहे दो व्यक्ति, दो किलोमीटर दूर मिला एक का शव

छुरिया(नांदगांव टाइम्स)। गैन्दाटोला फाफामार मार्ग पर स्थित छोटे पुल नदी नाला में बाढ़ के कारण बुधवार की शाम नाला पार कर रहे दो व्यक्ति पानी के तेज बहाव में बह गये । आज सुबह से दुर्ग और राजनांदगांव की गोताखोरों की टीम तलाश में जुटी रही । सुबह लगभग सात बजे एक व्यक्ति का शव घटना स्थल लगभग दो किलोमीटर दूर झाड़ियों में अटका मिला । वहीं दूसरे व्यक्ति की तलाश की जा रही है । ज्ञात हो कि कल बुधवार की शाम लगभग साढे छह बजे गैन्दाटोला निवासी दो व्यक्ति छोटे पुल नदी को पार कर रहे थे, इसी दौरान दोनों पानी के तेज बहाव में बह गये । खबर लगते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई । देर रात तक उन्हें तलाश किया गया, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल पाया । आज सुबह से दुर्ग और राजनांदगांव की गोताखोरों की की टीम ने नदी नाला से दो किलोमीटर दूर थाने के पीछे झाड़ियों में पेड़ से केशव धरमगुड़ी पिता होरीलाल धरमगुड़ी उम्र 55 वर्ष निवासी गैन्दाटोला का शव लटका पाया । जिसे गोताखोरों ने बाहर निकाला । वहीं दूसरे व्यक्ति बिरेन्द्र यादव की गोताखोरों की दो टीमें तलाश कर रही है । मृतक का आज पोस्टमार्टम कर परिजनों को गैन्दाटोला पुलिस ने मर्ग कायम कर शव सौंप दिया है । गमगीन माहौल में मृतक का अंतिम संस्कार किया गया ।

तहसीलदार ने गांव में कराया मुनादी

बुधवार की शाम गैन्दाटोला निवासी दो व्यक्तियों के नाले में बह जाने के बाद प्रशासन हरकत में आया । और दूसरे दिन गोताखोंरों की मदद से एक व्यक्ति का शव नाले की झाड़ियों से बरामद किया गया । आज दूसरे दिन भी गोताखोरों की दो टीमें दिन भर दूसरे व्यक्ति के शव की तलाश में जुटी रही । तहसीलदार विजय कोठारी ने आसपास के नदी नालों से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में कोटवार के माध्यम से मुनादी कराकर ग्रामीणों को तेज बारिश एवं बाढ़ से सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने उफनते नदी नालों को पार न करने की समझाईश भी ग्रामीणों को दी है ।

ट्रेव्हल एण्ड टूरिज्म फेयरर्यटन उद्योग को बढ़ाने में एक बेहतर अवसर : नीलू शर्मा

राजनांदगांव। सबसे पहले मैं ट्रेव्हल एण्ड टूरिज्म फेयर आयोजन टीम का हृदय से धन्यवाद करता हूं कि आपने हमें इस गरिमामय आयोजन में आमंत्रित किया। यह हमारे लिए गौरव की बात है कि, पश्चिम भारत के इस पर्यटन पर आधारित आयोजन में सम्मिलित होकर छत्तीसगढ़ की पर्यटन खूबियों एवं संभावनाओं को साझा करने का अवसर हमारी छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की टीम को प्रदाय किया गया है। यह आयोजन भारत के समस्त प्रदेशों के पर्यटन खूबियों को एक दूसरे प्रदेशों से साझा करने तथा अपने पर्यटन उद्योग को बढ़ाने में एक बेहतर अवसर प्रदाय करता है।हमारा राज्य छत्तीसगढ़, जो प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक धरोहर और जनजातीय परंपराओं से समृद्ध है, यहां प्राकृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, वेलनेस सभी प्रकार के पर्यटन एवं पर्यटक सुविधायें विद्मान है। छत्तीसगढ़ को आज भी अनदेखा भारत कहा जाता है, और यही इसकी सबसे बड़ी शक्ति भी है-भीड़ से दूर, शुद्ध और प्रामाणिक अनुभव। राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारे छत्तीसगढ़ प्रदेश की पहचान यहां की जनजातीय संस्कृति, सरल स्वभाव एवं अन्य पर्यटन खूबियां है।

हमारे प्रमुख पर्यटन आकर्षणों में चित्रकोट जलप्रपात, जिसे भारत का नियाग्रा कहा जाता है, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, जहां आपको गुफाएँ, जैव विविधता और शांतिपूर्ण वातावरण मिलेगा, बस्तर का ही आदिवासी बाहुल्य गांव ढूढमारास एक ऐसा पर्यटक ग्राम है, जो ग्रामीण एडवेंचर कैटेगेरी में भारत सरकार द्वारा पुरे भारत में एकलौता चुना गया है एवं दूर-दूर से पर्यटक इस स्थान को करीब से महसूस करने आ रहे है और अनेक पर्यटक आने इच्छुक है। ऐसा ही ऐतिहासिक पर्यटन स्थल सिरपुर, जहां बौद्ध, जैन और हिंदू सभ्यता का संगम है, और यहां अनेक ऐतिहासिक स्थल मौजूद है। ऐसे ही धार्मिक पर्यटन स्थलों में भोरमदेव मंदिर, शक्तिपीठ देवियों के मंदिर विद्मान है। डोंगरगढ़ स्थित माँ बम्लेश्वरी देवी मंदिर, दंतेवाड़ा स्थित माँ दंतेवाड़ा मंदिर, बिलासपुर स्थित माँ महामाया मंदिर, सुरजपुर में स्थित माँ कुदरगढ़ी मंदिर और चंद्रपुर में स्थित माँ चन्द्रहासिनी मंदिर आदि दर्शनीय स्थल है। पर्यटकों हेतु छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में सर्वसुविधा युक्त पर्यटक रिसॉर्ट बनाये गये है।हमने हाल के वर्षों में टूरिज्म इन्फ्रास्ट्रक्चर, होमस्टे योजनाएं, ट्राइबल टूरिज्म और सस्टेनेबल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए कई नई पहल शुरू किये है। छत्तीसगढ़ पर्यटन को आज उद्योग का दर्जा भी प्रदाय किया जा चुका है। हमारा उद्देश्य छत्तीसगढ़ को केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सतत विकास का माध्यम बनाना है।मैं इस आयोजन में उपस्थित पश्चिम बंगाल के सभी टूर ऑपरेटर्स, ट्रेव्हल एजेंट्स बंधुओं से अनुरोध करता हूं कि वे अपने

ग्राहकों को सेल करने वाले पर्यटन भ्रमण पैकेज में छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को शामिल करें। और सर्वप्रथम स्वयं छत्तीसगढ़ आकर छत्तीसगढ़ के पर्यटन खूबियों, यहां के रिसॉर्ट में प्रदाय सुविधाओं आदि से अवगत हों एवं अधिक से अधिक टूर ऑपरेटर्स, एजेंन्ट्स छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के साथ रजिस्टर्ड होवें। मैं आस्वस्त करता हूँ कि आपको एवं आपके पर्यटक ग्राहकों को छत्तीसगढ़ का पर्यटन बहुत ही पंसद आयेगा। तथा हमारी टीम पर्यटको को बेहतर से बेहतर सर्विस प्रदाय करने प्रयासरत होंगे तथा आपके द्वारा प्रदाय सुझावों से भी हम और बेहतर सुविधा प्रदाय करने में और अधिक सक्षम होंगे। हमारे द्वारा आपके एवं पर्यटको के सुविधाओं के लिये कोलकाता में भी छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड का सूचना केन्द्र खोला गया है। यहां कार्यरत अधिकारियों द्वारा भी आपके द्वारा भेजे जाने वाले पर्यटक ग्रुप का विशेष मॉनिटरिंग कर उचित सर्विस प्रदाय करने यथासंभव सहायता की जावेगी।

नए स्कूल भवन उद्घाटन का इंतजार

सवा करोड़ के नए स्कूल भवन बनने के बस भी जर्जर भवन में बैठने मजबूर छात्र

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। छुरिया ब्लाक के ग्राम गोडलवाही में हायर सेकेंडरी स्कूल का नया भवन बनकर मार्च में तैयार हो गया। हायर सेकेंडरी स्कूल भवन की लागत 1.23 करोड़ रुपए है। ग्रामीणों की मांग पर गोडलवाही आदिवासी हलबा ङ्क हल्बी समाज के कार्यक्रम में पहुंचे तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 18 जनवरी 2021 को हायर सेकेंडरी भवन के लिए भूमि पूजन किया था। नया शिक्षा सत्र की शुरुआत के पूर्व 9 जून 2025 को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हाथों

लोकार्पण होना था। अचानक खराब मौसम एवं बारिश की वजह से मुख्यमंत्री साय का कार्यक्रम स्थगित हो गया ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री एवं जनप्रतिनिधियों के हाथों उद्घाटन के चक्कर में नवनिर्मित हायर सेकेंडरी स्कूल भवन का लोकार्पण नहीं होने से छात्रों को पुराने जर्जर भवन में पढ़ाई करने विवश होना पड़ रहा है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के चलते भवन की उद्घाटन में लेटलतीफि बताया जा रहा है।स्कूल भवन का निर्माण होने के बावजूद लोकार्पण नहीं होना समझ से परे है । अब देखना होगा कि आखिर में कब तक नया स्कूल भवन में छात्र छात्राएं शिक्षा ग्रहण करेंगे। नए स्कूल भवन के उदघाटन को लेकर जिला पंचायत सदस्य गोपाल भूआर्य द्वारा भी मंत्री के पास समय लेकर प्रयास किया गया है वर्तमान में पुराने स्कूल भवन जर्जर हो चुका है बारिश में स्कूली बच्चों को परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा है उन्होंने जिलाधीश को भी अवगत करा दिया है।

महापौर ने किया मोहारा नदी एवं जल संयंत्र गृह का निरीक्षण

मोहारा शिवनाथ नदी के सभी गेट खोलने जल संसाधन विभाग के अधिकारियो को दिये निर्देश

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। अत्यधिक वर्षा के कारण मोहारा नदी के जल स्तर बढने पर आज महापौर श्री मधुसूदन यादव मोहारा शिवनाथ नदी तथा जल संयंत्रगृह का निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा एवं जल विभाग के प्रभारी सदस्य श्री सुनील साहू, शिक्षा विभाग के प्रभारी सदस्य श्री अलोक श्रोती, पार्षद श्री चन्द्रकृत साहू के साथ निरीक्षण कर जल संसाधन विभाग व नगर निगम के अधिकारियो से चर्चा कर दिशा निर्देश दिए।

महापौर श्री यादव ने मोहारा नदी निरीक्षण के दौरान नदी के जल स्तर एवं गेट खोलने के संबंध में जानकारी ली। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री निलेश रामटेके ने बताया कि वर्तमान में 15 गेट खोले गये है और अत्यधिक वर्षा एवं मोगरा बैराज से पानी छोडने के कारण नदी का जल स्तर बढने पर शेष गेट नही खुल पाया है, नदी का जल स्तर कम होने पर गेट खोला जाएगा। महापौर श्री यादव ने कहा कि संबंधित अधिकारी एनीकट की प्रतिदिन मानिटरिंग करे और जल स्तर कम होने पर तत्काल शेष गेट खोलने की कार्यवाही करे। उन्होंने कहा कि कई वर्षो से एनीकट का गेट नही खुला है जिससे रेत व सील्ट जमा होने से नदी की संग्रहण क्षमता कम हो गई है। सभी गेट खुल जाने से रेत एवं सील्ट बह जायेगा जिससे नदी मे संग्रहण क्षमता बढेगी। संग्रहण क्षमता बढने से इसका लाभ गर्मी मे समुचित पेयजल सप्लाई के लिए मिलेगा। महापौर श्री यादव ने कहा कि इस गर्मी में नदी का जल स्तर कम होने पर एनीकट के पास से चेन माउंटेन के माध्यम से सील्ट एवं कचरा निकालने की कार्यवाही की गई थी। उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिकारियो से कहा कि एनीकट का सत्त निरीक्षण कर उसकी सफाई, मरम्मत एवं संधारण के कार्यो को प्राथमिकता से करे, जिससे नदी में पर्याप्त पानी का भण्डारण हो सके। उन्होंने दोनो समय पेयजल सप्लाई के विषय पर कहा कि इस गर्मी नदी में जल की कमी के कारण दो दिन में तीन समय पेयजल सप्लाई की जा रही है। नदी में पानी के संग्रहण के आधार पर बहुत जल्द शहर में दोनो समय पेयजल आपूर्ति की जावेगी। महापौर श्री यादव ने जल संयंत्रगृह का निरीक्षण कर वर्तमान व्यवस्था के संबंध में निगम के अधिकारियों से जानकारी लिए। आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने जानकारी दी कि तीनो पालियो में कर्मचारी अपने दायित्वो का निर्वाहन कर रहे है, मशीनो में छोटी मोटी खराबी

आने पर उसका तुरंत मरम्मत किया जा रहा है, बाढ जैसी स्थिति निर्मित होने पर सभी कर्मचारियो को एल्र्ट रहने कहा गया है। महापौर श्री यादव ने कहा कि जल संयंत्रगृह में आवश्यक सामग्री फिटकरी, ब्लीचिंग, क्लोरिन गैस का पर्याप्त भंडारण रखे, इसके अलावा आवश्यक उपकरण भी रखना सुनिश्चित करे, इंटकवेल में कचरा फसने पर उसे तत्काल निकाले, जिससे पेयजल आपूर्ति बाधित न हो। उन्होंने कहा कि बाढ का पानी प्लांट में भरने पर तत्काल निकासी की व्यवस्था करे। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन विभाग की एस.डी.ओ. श्रीमती किरण रामटेके, जल विभाग की प्र.सहायक अभियंता श्रीमती गरिमा वर्मा, उप अभियंता श्री अनुप पाण्डे सहित प्लांट के कर्मचारी उपस्थित थे।

माँ बम्लेश्वरी ट्रस्ट चुनाव में सेवादल के 15 सदस्यों ने नामांकन दाखिल किया.

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। ट्रस्ट मां बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट

समिति के चुनाव में मां बम्लेश्वरी सेवा दल के 15 प्रत्याशियों ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर माता की विधिवत् पूजा अर्चना कर नामांकन फार्म दाखिल किया गया एवं सभी प्रत्याशी कार्यकर्ताओं ने मां बम्लेश्वरी चुनाव में पैनल की जीत की लिए संकल्प लिया।

गुरु पूर्णिमा के पर्व पर शिक्षकों का सम्मान

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। शक्ति केंद्र बोरतलाव ग्राम

पंचायत बोरतलाव भवन में गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर शिक्षकों को सम्मानित किया गया जिसमें गुरुजनों को फूलमाला पहनाकर श्रीफल शाल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया इस अवसर पर सरपंच भाजपा सदस्य कैलाश उके महामंत्री मंडल, पंच शिव बल्हारे, उपसरपंच दिनेश मंडावी, एवं साथ सभी ग्रामीण उपस्थित थे।

राजस्व अधिकरियो को सख्त निर्देश

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स)। आवेदक जरूरी दस्तावेज सलग्न करना अगर भूल गए तो अधिकरी संपर्क कर दस्तावेजो को प्राथमिकता में मंगाए, ऐसे आवेदनों को लंबित में ना रखे- कलेक्टर वर्मा मुख्यमंत्री के निर्देश, कलेक्टर की सख्ती: राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध, पारदर्शी और त्वरित निराकरण करें ङ्क कलेक्टर गोपाल वर्मा पिपरिया तहसील में राजस्व शिविर का निरीक्षण, ग्रामीणों को राहत देने शिविरों में समाधान की प्राथमिकता 339 आवेदन प्राप्त, डिजिटली स्क्रूटनी और पोर्टल अपलोडिंग की प्रक्रिया जारी कवर्धा, 10 जुलाई 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के स्पष्ट निर्देशों पर कार्य करते हुए कबीरधाम जिले में राजस्व समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत आज कलेक्टर गोपाल वर्मा ने पिपरिया तहसील कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर वर्मा ने संबंधित राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविरों में प्राप्त हर एक आवेदन की गहन जांच की जाए।

पिता-पुत्र की जोड़ी शराब बेचते गिरफ्तार कबीरधाम पुलिस की कार्यवाही

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स)। कबीरधाम जिले में अवैध

गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत कबीरधाम पुलिस को एक और सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह (छवई) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल एवं पंकज पटेल के मार्गदर्शन में तथा सहसपुर लोहारा एसडीओपी प्रतीक चतुर्वेदी के पर्यवेक्षण में चौकी रणबीरपुर पुलिस द्वारा अवैध शराब बिक्री के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए पिता-पुत्र को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। दिनांक 09.07.2025 को रात्रि लगभग 20:30 बजे ग्राम धोर्ली स्थित मैदान के पास पेट्रोलिंग के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति गोवा स्पेशल एवं देशी प्लेन शराब बेच रहे हैं। सूचना की तस्दीक उपरांत पुलिस द्वारा दबिश देकर दोनों आरोपियों को मौके पर पकड़ा गया। पूछताछ में वे आपस में पिता-पुत्र निकले।

कवर्धा से भोरमदेव मंदिर तक 18 किलोमीटर की पदयात्रा में कांवरियों और पदयात्रियों के लिए अलग-अलग स्थानों में होगी जलापान की व्यवस्था

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन महीने के प्रथम सोमवार 14 जुलाई को ऐतिहासिक,

धार्मिक, पुरातत्व एवं पर्यटन महत्त्व स्थल भोरमदेव पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। पदयात्रा बुढ़ा महादेव मंदिर कवर्धा से सबेरे 7 बजे से शुरू होगी। पदयात्रा को ऐतिहासिक पदयात्रा बनाने के लिए शासन-प्रशासन सहित जनसमुदाय और विभिन्न संगठन जुटे हुए है। कवर्धा से भोरमेदव मंदिर तक 18 किलोमीटर की पदयात्रा में कांवडिया और पदयात्रियों के लिए अलग-अलग स्थानों पर जलापान, शरबत, चाय नाशता

सिनेमा लाईन स्थित ट्रांसफार्मर को हटाये जाये- अजय सिंह परिहार

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। राजपूत समाज के अध्यक्ष अजय सिंह परिहार ने शहर में अतिक्रमण हटाया जा रहा है जो आशिक है कितु सिनेमा लाईन में स्ट्रीट टांसफार्मर जो स्वयं के दुकान के सामने स्थित है उक्त ट्रांसफार्मर स्व अतिक्रमण बन चुका है कई बार आग लग चुका है दुर्घटना घट चुकी है जो रोड मार्ग के मध्य स्थित है उक्त संबंध में विद्युत विभाग से मांग की जा चुकी है (

नाम परिवर्तन

मैं देवा ठाकुर आ0 विजय ठाकुर जाति-गोड़ निवासी-तेन्दूनाला, तहसील-डोंगरगांव, जिला-राजनांदगांव (छ0ग0) का निवासी हूं, जो कि मेरे पिता के भू राजस्व रिकार्ड में त्रुटिवश कुमतू आ0 नरसिंग दर्ज हैं जिसे सुधार कर आधार कार्ड के अनुसार विजय ठाकुर आ0 नर्सिंग ठाकुर दर्ज किया जावे।

देवा ठाकुर
आ. विजय ठाकुर
निवासी-तेन्दूनाला,
तहसील-डोंगरगांव,
जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

नाम परिवर्तन

मैं यह सूचित करता हूँ कि मेरा पुराना नाम राणुलाल जी गिड़िया था। अब मैंने अपना नाम बदलकर राणुलाल गिड़िया कर लिया है। अब से मैं राणुलाल गिड़िया नाम से ही जाना जाऊँगा और सभी सरकारी व गैर-सरकारी दस्तावेजों में यही नाम मान्य होगा।

यह सूचना आम जनता और संबंधित विभागों के लिए दी जा रही है।

राणुलाल गिड़िया

NAME CHANGE NOTICE

I hereby declare that my former name was RANULAL JI GIDIYA. I have changed my name and shall henceforth be known as RANULAL GIDIYA.

This change will reflect in all my official and non-official records and documents.

This notice is being published for public information and for the attention of all concerned authorities.

RANULAL GIDIYA

बालिक लड़की से बलात्कार मामले में लंबे समय से फरा आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। आरोपी:- मोहम्मद मुस्ताक पिता स्व0 अली अहमद मुस्ताक उम्र 39 साल निवासी बसंत खरोना डीह पो0 मरबन जिला मुजफ्फरपुर ,बिहार के मामले में प्रार्थिया 15-02-2018 को थाना रिपोर्ट दर्ज करायी थी उसकी नबालिक लडकी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर ले गया है रिपोर्ट पर अपराध धारा 363 भादवि0 पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया जो दिनांक 21-03-2018 को अपृहता घर वापस आयी पुछताछ कर विस्तृत कथन लेख किया गया जो अपनी कथन मे बतायी कि ग्राम टाटीकसा का त्रिलोक साहू शादी का झांसा देकर जिसे डुण्डेरा ले जाकर उसके साथ शारिरीक संबंध बनाये उसके पत्नि को जानकारी होने पर विरोध करने पर अपनी परिचित मुस्ताख को लेने के लिए बुलाई थी जो उसे मै मुम्बई जा रहा हू कहकर अपने साथ ले गये। जहा उसका शारीरिक शोषण किया मौका पाकर मुस्ताक के मोबाइल से त्रिलोक को बतायी तब त्रिलोक उसे बाम्बे से वापस लाकर अपने घर ग्राम डुण्डेरा मे रखा जिससे उसकी पत्नी के मना करने पर वापस बरसन टोला

अपहता के घर छोडा जहा उसके परिजनो द्वारा थाना लाकर अपहता का कथन अनुसार त्रिलोक साहू को पूर्व मे गिर0 किया जा चूका है । मामले की गंभीरता को देखते हुए अन्य आरोपी मोहम्मद मुस्ताक पिता स्व0 अली अहमद मुस्ताक उम्र 39 साल निवासी बसंत खरोना डीह पो0 मरबन जिला मुजफ्फरपुर ,बिहार के पता तलाश हेतु थाना प्रभारी अवनीश कुमार श्रीवास के नेतृत्व मे थाने से एक टीम गठित किया गया पूर्व मे पुलिस फरार आरोपी के सकुनत मुजफ्फरपुर बिहार दबिस दी गई थी आरोपी घटना दिनांक से लगातार फरार चल रहा था । उसके पता तलाश हेतु मुखबीर लगाया गया था । जो 09/07/2025 को मुखबीर से सुचना मिली की मुस्ताक वर्तमान मे उडिसा मे रहा है अभी पारिवारिक कार्यक्रम हेतु राजनांदगांव आया था मुखबीर के बताये अनुसार इंदामारा मे दबिस दिया गया जहा पर मुस्ताक उपस्थित मिला पुछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किया जिसे गिर0 कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया।

वन विभाग कवर्धा द्वारा अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध सफल बेदखली कार्यवाही

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम(नांदगांव टाइम्स)। आज, 9 जुलाई 2025 को वन विभाग कवर्धा द्वारा वनमण्डलाधिकारी निखिल अग्रवाल के निर्देशन और उपवनमण्डलाधिकारी सुयश धर दीवान के मार्गदर्शन में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कार्यवाही की गई। पंडरिया (पूर्व) और पंडरिया (पश्चिम) क्षेत्र के वन क्षेत्र में अतिक्रमण को समाप्त करने के उद्देश्य से वन परिक्षेत्र पंडरिया (पूर्व) के अंतर्गत परिसर चतरी के कक्ष

क्रमांक पी.एफ527 रकबा 0.188 हे. में अतिक्रमण के तहत बनाई गई झोपड़ी को हटाया गया और अतिक्रमणकर्ता को वन क्षेत्र से बेदखल कर दिया गया। इस कार्यवाही में वन परिक्षेत्र अधिकारी महेन्द्र कुमार जोशी के कुशल नेतृत्व में वन विभाग के कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यवाही के दौरान श्री देवनाथ सिदार (प्रशिक्षु वनक्षेत्रपाल), सुभाष चन्द्र भारद्वाज, संतोष सिंह साकत, श्री अरूण कुमार दुबे, दिलीप कुमार चन्द्राकर, श्री जोधन सिंह ठाकुर, वनपाल, श्री सुदर्शन साहू, गौरीशंकर साहू, पुनाराम धुर्वे, श्रीराम गुप्ता, कु. उमेश्वरी श्याम, श्रीमति सीमा टांड़िया, विष्णु सिंह धुर्वे, वनरक्षक ने अपने कर्तव्यों का निर्वाहन किया और इस अभियान को सफल बनाया।

सड़क दुघर्टना रोकने हेतु पशुओं में रेडियम पट्टी लगाने अभियान जारी

बलौदाबाजार (नांदगांव टाइम्स)। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश

पर पशुधन विकास विभाग द्वारा जिले से गुजरने वाले सभी राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों पर बैठे घुमन्तु पशुओं से होने वाले दुघर्टना को रोकने हेतु रेडियम बेल्ट एवं रेडियम पट्टी लगाने अभियान चलाया जा रहा है। विगत दो दिनों में विभाग द्वारा 458 पशुओं में रेडियम पट्टी व रेडियम बेल्ट लगाया गया है। सड़क दुर्घटना रोकने हेतु अभियान के तहत विभाग द्वारा समस्त मैदानी अमले को रेडियम बेल्ट एवं रेडियम पट्टी उपलब्ध कराया गया है। पशुओं को रेडियम पट्टी लगाने का फोटोग्राफ्स सहित दैनिक रिपोर्टिंग जिला कार्यालय को उपब्लध कराने निर्देश दिए गए है। सड़क पर बैठे पशु रात में ठीक से नजर नही आते है जिससे पशुओं के साथ ही वाहन चालक भी दुर्घटना का शिकार होते है। विगत दो दिनों में विभाग द्वारा लगभग 458 पशुओं में रेडियम पट्टी व रेडियम बेल्ट लगाया गया है।

गुरुपूर्णिमा पर शक्तिधाम में भक्ति और सेवा का संगम, गुरुदेव हरीश यादव बोले-दिन दुखियों की सेवा ही सच्ची आराधना

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शहर के बाबुटोला स्थित शक्तिधाम महाकाली मंदिर में बुधवार को गुरु-शिष्य परंपरा के प्रतीक पर्व गुरुपूर्णिमा का आयोजन बड़े श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। गुरुदेव हरीश यादव के सानिध्य में हुए इस आयोजन में गुरु पूजन से लेकर भजन-कीर्तन, सफाई अभियान, लेखनी सामग्री वितरण और वृक्षारोपण जैसे विविध कार्यक्रम शामिल रहे। प्रातः 8.30 बजे मां काली एवं अघोरेश्वर बाबा की पूजा-अर्चना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद गुरुपादुका पूजन और दोपहर 2 बजे तक गुरु पूजन दर्शन का मुख्य आयोजन हुआ, जिसमें दूर-दराज से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं और शिष्यों ने भाग लिया। इसी दौरान गुरुदेव हरीश यादव ने शिष्यों को गुरु दीक्षा भी प्रदान की। गुरुपूर्णिमा के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी संदेश दिया गया। गुरुदेव यादव ने अपने करकमलों से वृक्षारोपण कर सभी को हरियाली और प्रकृति से जुड़ने का संकल्प दिलाया। इसके पश्चात वे बाबुटोला शासकीय स्कूल पहुँचे,

जहां उन्होंने विद्यार्थियों को लेखनी सामग्री वितरित की और गुरु की महत्ता पर प्रेरणादायक संदेश दिया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में श्रमदान व स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें शिष्यों ने सामूहिक रूप से सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। इसके बाद वरिष्ठ शिष्यों द्वारा नवागंतुक सदस्यों के लिए उद्बोधन कार्यक्रम हुआ, जहां अनुभवों और सेवा कार्यों को साझा किया गया। शाम 4 बजे गुरुदेव के आशीर्वचन का आयोजन हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा-अगर हमें दु:खियों की पीड़ा नहीं दिखती तो देवी-देवताओं की कृपा की कल्पना भी व्यर्थ है। मानव सेवा ही सच्ची माधव सेवा है। दिन-दुखियों की सेवा ही हमारे जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने सभी शिष्यों को जनसेवा में तत्पर रहने और सदकर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का समापन भजन-कीर्तन और प्रसादी वितरण के साथ हुआ।

शुभांक
3-6-9
699-4 335-1
भाग्यांक
167-4 268-6

गुरु पूर्णिमा पर टोला गांव से गूंजा शिक्षा का शंखनाद विजन कोचिंग संस्थान ने समाज को दिखाई नई राह

अम्बागढ़ चौकी (नांदगांव टाइम्स)। गुरु पूर्णिमा, एक पर्व जो केवल पूजन का दिन नहीं, बल्कि उस परिवर्तन की शुरुआत है, जिसकी समाज को वर्षों से प्रतीक्षा थी। टोला गांव(ब्राह्मण भेड़ी)विकास खण्ड अम्बागढ़ चौकी, जिला मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी जहाँ कभी बच्चों के लिए गुणवत्ता शिक्षा एक

सपना थी — आज वहीं से एक ऐसी लौ जली, जिसने अंधकार को चुनौती दी। विजन निशुल्क कोचिंग संस्थान द्वारा आयोजित गुरु पूर्णिमा उत्सव में न केवल गुरुजनों को श्रद्धांजलि दी गई, बल्कि शिक्षा के माध्यम से गांव एवं आसपास के क्षेत्रों को बदलने का संकल्प भी लिया गया। इस अवसर पर नवोदय, प्रयास, एकलव्य, उत्कृष्ट विद्यालयों की प्रवेश परीक्षाओं हेतु नि:शुल्क विशेष कक्षाओं का शुभारंभ किया गया — लेकिन यह कोचिंग सिर्फ पढ़ाई नहीं, विश्वास की पाठशाला है। यह सिर्फ एक कोचिंग नहीं... यह एक आंदोलन है — जो यह कहता है कि हर गांव में प्रतिभा है, बस एक अवसर की ज़रूरत है। कार्यक्रम में छात्रों ने भक्ति गीतों, कविताओं और प्रेरणादायक प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरु की महिमा का बखान किया, लेकिन उनके चेहरे पर एक और चमक थी — आशा की। संस्थान नीलकंठ कोमरे प्रमुख ने अपने भाषण में कहा आज हम सिर्फ कक्षा शुरू नहीं कर रहे, हम उस सोच को तोड़ रहे हैं, जो कहती है कि गांवों में रहकर बड़े सपने नहीं देखे जा सकते।

ज्ञान का दीपक जल चुका है... अब इस गांव का हर बच्चा उड़ने को तैयार है। कार्यक्रम में मनोहर लाल पिथौरा, भजनलाल साहू, राजू निर्मलकर,किरण मंडावी, प्रफुल्ल भंडारी,रामप्यारा निषाद रामचंद्र निर्मलकर अंजोरीराम कोमरे,रामदास साहू,मंदराजी भुआर्य, नेहा कोमरे ग्रामीणजन, अभिभावक, युवाओं और बच्चों की भारी उपस्थिति रही। एक पालक ने कहा:- पहली बार मेरे बच्चे को ऐसा मंच मिला है, जहाँ न पैसे लगे, न डर था, बस सपनों की इज्जत थी। समापन के अवसर पर विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री भेंट की गई और सामूहिक प्रसाद से प्रेम और समरसता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का संचालन राजू निर्मल ने किया... क्या हमारा गांव शिक्षा में पीछे रह जाए — सिर्फ इसलिए कि बच्चों के पास पैसे नहीं हैं? विजन संस्थान का उत्तर है — नहीं! यह सिर्फ संस्था नहीं, हर उस बच्चे की आवाज है जो आसमान छूना चाहता है, लेकिन रास्ता नहीं जानता। टोला गांव से निकली यह आवाज अब हर गांव तक पहुँचेगी — कि अगर अवसर मिले, तो गांव का बच्चा भी च्कल का वैज्ञानिकज्, च्नेताज्, च्डॉक्टरज् और च्गुरुज् बन सकता है।

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी खैरागढ़
जिला खैरागढ़ छुईखदान गण्डई (छ.ग)

- ईश्तहार:-

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सालिकराम वर्मा आ. रामदयाल निवासी शहर / ग्राम धनेली प.ह.नं. तहसील खैरागढ़ जिला के.सी.जी.द्वारा अपने पिता स्व. प्रहलाद वर्मा के मृत्यु प्रमाण पत्र की माँग की गई है। उपरोक्त आवेदन पत्र इस न्यायालय में मृत्यु दिनांक के 15/05/2003 को स्थान धनेली पर होना बताया जाकर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु प्रकरण विचाराधीन है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा/आपत्ति हो तो, ये सुनवाई तिथि 16/07/2025 लिखित में स्वयं/अथवा अपने अभिभावक हे माध्यम से पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दाबा / आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार दिनांक 01/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

जारी दिनांक:- 01/07/2025
सुनवाई दिनांक:- 16/07/2025

सील — कार्यपालिकदंडाधिकारी खैरागढ़

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगढ के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202506092200025

विषय:-ब-121
मामले की श्रेणी: राजस्व
सन:- 2024-2025
खलारी प.ह.न. 00031 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार रूपऊराम,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व सधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रूपऊराम आ. सुरुजलाल जाति कंवर सा. सलारी तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगाँव द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्री अंजली आ. रूपऊराम का जन्म दिनांक 02.10.2012 को ग्राम खलारी में हुआ है, के नाम पर जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व दावा हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनांक 14.07.2025 उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

प्रति लिपि आवेदक रूपऊराम. सुरुजलाल जाति कंवर सा. खलारी तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगाँव इंश्तहार का प्रकाशन दैनिक समाचार पत्र में कराकर एक प्रति इस न्यायालय में पेश करें।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 25/06/2025 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार डोंगरगढ़

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगढ के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202506092200035

विषय:- ब-121
मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन्न:- 2024-2025
चौथना प.ह.न. 00026 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - नारायण उइके,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व सधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नारायण उइके आ. राम्हू उइके जाति गोंड सा. चौथना तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगाँव द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्री पल्लवी उइके पिता नारायण उइके का जन्म दिनांक 23.07.2004 को ग्राम चौथना में हुआ है, के नाम पर जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व दावा हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनांक 16.07.2025 उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

प्रति लिपि :- आवेदक नारायण उइके आ. राम्हू उइके जाति गोंड सा. चौथना तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगाँव ईश्तहार का प्रकाशन दैनिक समाचार पत्र में कराकर एक प्रति इस न्यायालय में पेश करे।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/06/2025 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार डोंगरगढ़

ज्ञान मंथन

1) हरित सोना क्रांति किससे संबंधित है?

2) प्राचीन कांस्य युग के नगर अल-नताह की हाल ही में खोज किस देश में हुई?

3) फिरोजाबाद 200 से अधिक वर्षों में किसका उत्पादन कर रहा है?

4) कजाकिस्तान अपनी पहली परमाणु ऊर्जा स्टेशन किस झील के पास स्थापित कर रहा है?

5) सुधार और योजना में महाराजा हरि सिंह पुरस्कार 2025 से किसे सम्मानित किया गया?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)

उत्तर माला

(1) बांस (2) सऊदी अरब (3) काँच की चूड़ियाँ (4) झील बाल्खाश (5) मनोज सिन्हा

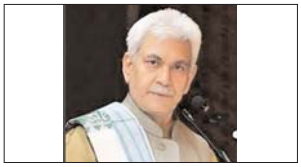

शासकीय सोसायटी में पर्याप्त मात्रा में यूरिया डीएपी खाद उपलब्ध कराएं सरकार - शिवसेना

266 रुपया का यूरिया 500 और 1350 रुपए बोरी डीएपी 2000 में बिक रहा है बाजार में

अम्बागढ़ चौकी (नांदगांव टाइम्स)। शिवसेना छत्तीसगढ़ प्रदेश ईकाई किसानों की समस्या को लेकर गंभीर है और पूर्व में भी सरकार जब बारदाना उपलब्ध नहीं कारण बता कर धान खरीदी बंद कर दी गई थी तब शिवसेना द्वारा किसान मोर्चा निकाल कर पूरे प्रदेश भर में प्रदर्शन किया गया था तब सरकार को निर्णय लेना पड़ा और किसानों का धान किसानों के ही बारदाना में खरीदी करने मजबूर होना पड़ा आज फिर किसान खाद को लेकर संकट में है, मजबूर होकर व्यारियों के दूकान मे खरीदी करने का नौबद आ सकती है शिवसेना प्रदेश सचिव दिनेश ताम्रकार ने कहा कि प्रदेश में अच्छी बारिश हो रही है बारिश के रुकते ही किसानों को यूरिया डीएपी पोटास जैसे अन्य खाद की आवश्यकता पड़ेगी लेकिन ऐ बड़ी दुर्भाग्य की बात है की प्रदेश के शासकीय सोसायटी में पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं है जबकि प्रदेश के किसान शासकीय सोसायटी पर ही आश्रित है किसानों का धान बोआई का कार्य जब से शुरू हुआ तब से शिव सेना द्वारा खाद बीज को लेकर गंभीर है और जून माह में ही ज्ञापन

सौंपी गई लेकिन अधिकांश जगहों पर गंभीरता से नहीं लिया गया।

शिवसेना कहा किसानों को लूटने वाले को न दें राजनीति संरक्षण

शिवसेना जिला अध्यक्ष शोभाशंकर त्रिपाठी ने कहा कि 266 रुपए का यूरिया 500 एवं 1350 रुपए का डीएपी 2000 रुपए प्रति बोरी बाजार में बिक रहा है और किसान के हितैषी बताने वाले राजनीति संरक्षण दे रहे इसी लिए कार्यवाही करने वाले अधिकारी शिकायत करने वालो से पूछते हैं कौन बेच रहा है, बेचने वसले व्यापारी तो बिल दे ही नहीं रहे है,शिवसेना ने मांग की है खाद की काला बाजारी रोकने अधिकारी किसान बन कर व्यापारी के पास जाएं

गोदाम की जांच हो किसके पास कितना स्टॉक

शिवसेना पदाधिकारियों ने शासन से मांग की अधिकारियों की टीम बने और किस दुकान दार के पास कितना खाद है जांच कर अवैध भंडारण गोदाम में छापा मारकर किसानों को शासन द्वारा निर्धारित दाम में खाद उपलब्ध कराए।

मलेशिया में आयोजित इंटरनेशनल अबेकस प्रतियोगिता में एनबीआईएस बोरी के बच्चों का शानदार प्रदर्शन अचिंत्य श्रीवास्तव रहे प्रथम

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। नीरज बाजपेयी इंटरनेशनल स्कूल बोरी के बच्चों ने विगत दिनों 28 जून को माइंड मेमोरी एजुकेशन संस्था द्वारा मलेशिया के जेंन्टिंग हाईलैंड पहांग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मैथ्स अबेकस ओलंपियाड 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए अनेक पुरस्कार प्राप्त किए। मलेशिया में हुई इस प्रतियोगिता में 12 देशों के लगभग 4000 बच्चों ने भाग लिया, जिसमें शाला के पांच बच्चों ने अपने - अपने स्तर में टाप थ्री में अपना स्थान सुनिश्चित कर सफलता प्राप्त की। शाला के कक्षा पांचवीं के छात्र अचिंत्य श्रीवास्तव प्रथम, अनय मोटवानी, अरनव रामटेके

दोनों द्वितीय, प्रियल दिनेश विघने तथा साहिल जैन कक्षा आठवीं ने तृतीय स्थान प्राप्त किये। छात्र अचिंत्य श्रीवास्तव ने दो मिनट पचास सेकंड में ही 120 सवालों के जवाब देकर प्रथम स्थान प्राप्त किये। बच्चों की इस उपलब्धि पर शाला परिवार गौरवान्वित है। शाला के डायरेक्टर श्री नीरज बाजपेयी ने बच्चों की शानदार प्रदर्शन पर शुभकामनाएं देते हुए, परिजनों को भी बधाई दी। श्री बाजपेयी ने कहा कि छोटी उम्र में बच्चों की बढ़ती प्रतिभा को पहचानने की आवश्यकता होती है। सही दिशा और सही मार्गदर्शन सफलता की पहली सीढ़ी है। शाला के अबेकस शिक्षक रमाकांत साहू का मार्गदर्शन बच्चों को हमेशा मिलता रहा है। शाला की प्राचार्या श्रीमती एकता गांधी ने बच्चों की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी, तथा साथ ही आशीष देते हुए कहा कि शाला के लिए बड़े ही हर्ष का विषय है, बच्चों से आगे भी इसी तरह की उपलब्धि की अपेक्षा है। इस अवसर पर शाला की डायरेक्टर श्रीमती सोनल बाजपेयी, एडमिन श्री नितिन चौहान, शिक्षक तथा सभी कर्मचारियों ने अबेकस शिक्षक एवं बच्चों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

दर्री मटिया एनीकट कांग्रेस सरकार की देन : महेंद्र यादव

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण महामंत्री व जिला पंचायत सदस्य महेंद्र यादव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी

करते हुए बताया कि डोंगरगांव की जल आवर्धन योजना कांग्रेस सरकार की देन थी। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यकाल में इस योजना की शुरुआत की गई थी। बीते दिनों में समाचार पत्रों के माध्यम से पता चला कि उक्त डोगरगांव की जल आवर्धन योजना का झूठा श्रेय लेने का कार्य राजनांदगांव सांसद संतोष पांडे द्वारा किया जा रहा है जो की झूठी वहवाही बटोरने के लिए श्रेय लेने का कार्य किया जा रहा है। जबकि क्षेत्र वासियों को इस बात का भलीभाती ज्ञान है कि यहां योजना कांग्रेस शासन काल की है कांग्रेस ने सदैव ही किसानों और मजदूरों का हितैषी रहा है। दर्री मटिया एनीकट किसानों को बड़ी राहत देने के लिए कांग्रेस शासन में किसानों का हित में ध्यान रखते हुए और पेयजल आपूर्ति के लिए यह योजना की शुरुआत की गई थी। श्री यादव ने आगे कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लगातार किसानो की मांगों और समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उनके साथ न्याय देने का कार्य किया लेकिन वर्तमान में बीजेपी की सत्ता सरकार का श्रेय लेने का कार्य वर्तमान सांसद द्वारा किया जा रहा है। उनके द्वारा एनिकट जगह पर पहुंच कर किसान हितैषी होने का वाहवाही लेने का कार्य कर रही है।

गुंगेरी नवागांव में शिक्षकों को श्रीफल व साल भेंट कर मनाया गुरुपूर्णिमा

डोंगरगांव(नांदगांव टाइम्स)। ग्राम गुंगेरी नवागांव में गुरुपूर्णिमा शिक्षकों को श्रीफल व साल भेंट कर हर्सोल्लास से मनाया गया शिक्षक जी

एल डहरे, माधव साहू, शिक्षिका श्रीमती दीपिका साहू,अंजु देवांगन सम्मानित हुए। साथ ही गाँव मे युवा समिति द्वारा जस झांकी प्रतियोगिता का कार्यक्रम भी किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती जागृति चुन्नी यदु ,अध्यक्षता विवेक मण्डवी, विशेष अतिथि ग्राम के सरपँच भेलेन्द्र नेताम,उपसरपंच छन्नू पटेल,ग्राम प्रमुख पन्ना यादव, डॉ खेमू दास, गया यादव ,हेमंत साहू ,मोहन साहू, विक्की यादव उपस्थित रहे।

भोथीपारकला में गोद भराई कार्यक्रम आयोजित

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। - विकासखण्ड के भोथीपारकला में

समस्त पंच, वरिष्ठ नागरिकों ङ्क्स।ह्ष्ट सदस्यों की उपस्थिति में मितानिन द्वारा पोठ लइका अभियान के तहत गोद भराई का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

श्रीमती रोशनी साहू को गोद भराई के तहत साड़ी, श्रीफल एवं राशि भेंट की गई।इस अवसर पर महेश्वर दास साहू संचालक,धरती के सिंगार, गणेश राम कोसरे, मोहित राम साहू, रोहिनी साहू, मितानिन मालती साहू,रेखा क्षत्रिय,ममता यादव मितानिन समन्वयक,बिंदा बाई साहू,लीला साहू, निर्मला यादव पंच साहू की उपस्थिति रही।

करियाटोला गौठान में 130 पौधों का वृक्षारोपण पर्यावरण सरंक्षण को मिला नया आयाम

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। 10 जुलाई को नगर पंचायत डोंगरगांव अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी के नेतृत्व में आज वार्ड क्रमांक-09 करियाटोला स्थित गौठान में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत 130 से अधिक छायादार एवं फलदार वृक्षों का वृहद रूप से रोपण किया गया। इस पहल ने क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण के प्रति नई चेतना और जन भागीदारी का सशक्त संदेश दिया। इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि कार्यक्रम न केवल वृक्षारोपण तक सीमित रहा, बल्कि गौठान परिसर में टूटे हुए बाउंड्री वॉल की मरम्मत भी की गई, जिससे अब यह स्थल सुरक्षित, स्वच्छ और सुव्यवस्थित हो गया है। संपूर्ण आयोजन जन सहयोग के माध्यम से संपन्न हुआ, लेकिन इसके पीछे की प्रेरणास्त्रोत और

नेतृत्वकर्ता के रूप में श्रीमती त्रिपाठी की भूमिका सबसे उल्लेखनीय रही। श्रीमती त्रिपाठी ने कार्यक्रम के दौरान कहा, प्रकृति हमारी मां के समान है और इस अभियान के माध्यम से हम सबका कर्तव्य है कि हम पेड़ लगाकर अपनी धरती मां को समर्पित करें। यह केवल पौधारोपण नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित विरासत है। उनके नेतृत्व में नगर पंचायत डोंगरगांव ने पहले भी कई स्वच्छता, जल संरक्षण और पर्यावरणीय जागरूकता के कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए हैं, परंतु आज का आयोजन विशेष रहा क्योंकि इसमें जन भागीदारी की पराकाष्ठा दिखाई दी।

‸पारिकला स्कूल में गुरु पूर्णिमा मनाया गया

राजनांदगांव(नांदगांव टाइम्स)। - शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला एवं प्राथमिक शाला के संयुक्त तत्वाधान में आज गुरु पूर्णिमा के अवसर पर साला परिसर में बहुत ही धूमधाम से गुरु पूर्णिमा का उत्सव मनाया गया इस अवसर पर भगवान वेदव्यास के तेल चित्र पर वह मां सरस्वती के तेल चित्र पर पूजन अर्चन कर कार्यक्रम की शुरूआत किया गया कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा गुरु पूर्णिमा पर अपनी कविता व अपनी भाषण वी गुरु के प्रति अपने श्रद्धा स्वरूप अर्पित किए सभी बच्चों ने गुरु बिना ज्ञान नहीं और गुरु के महिमा का बखान किया इस अवसर पर प्राथमिक शाला की शिक्षिका श्रीमती स्वाति जैन गुरु की महिमा का बखान करते हुए गुरु को सर्व पड़ी बताया शिक्षिका श्रीमती चांदनी कमर गुरु जो है एक मोमबत्ती के समान होता है जो अपने आप जलकर दूसरों को प्रकाश देता है गुरु गुरु

जो है ज्ञान का भंडार होता है जो अपने शिष्यों को उनके लक्ष्य पूरा करने में सहायता प्रदान करता है संस्था के प्रधान पाठक विष्णु शर्मा ने गुरु महिमा के बारे में बताया जिस तरह गुरु गोविंद डाउ खड़े काके लागु पाए गुरु बलिहारी आपने गोविंद देव बताए इसका अर्थ बताते हुए कहा की गुरु और भगवान जब खड़े रहते हैं तो भगवान ने ही कहा कि गुरु की पूजा पहले करो गुरु है रास्ता दिखाएगी तब तुम मुझ तक आओगे और गुरु की महिमा अपरंपार है प्रथम गुरु माता पिता, व द्वितीय गुरु शिक्षक है जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता हैं। इस अवसर पर शिक्षक जय कुमार जांगड़े, विनीता जेम्स व कान्फ्लेन्स कालेज बी एड के प्रशिक्षार्थी, टिकेश्वरी, हेमा ठाकुर, दिव्या गुप्ता, एवं अन्य शिक्षकीऔ थी।

5 जुलाई को पूरे भारतवर्ष में लक्ष्मीबाई केलकर की जयंती मनायी गई

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। राष्ट्र सेविका समिति की संस्थापक वंदनीय लक्ष्मी बाई केलकर जी के जन्म दिवस 5 जुलाई को संकल्प दिवस के रूप में पूरे भारतवर्ष में मनाया गया। साथ ही उनके जीवन के कार्यकालपों को जन सामान्य तक पहुँचाने का प्रयास किया गया राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। सन 1936 में राष्ट्र सेविका समिति के शुभारंभ से ही अनेक स्त्रियों के जीवन का मार्ग प्रशस्त किया। विश्व की अनेक बहनें उनको मौसी कहकर माँ -सी मानती हैं। उनकी जीवन गाथा ही हम सबके लिये प्रेरणादायी है। उनके जीवन का प्रत्येक पड़ाव हमारे लिये जीवनशिक्षा है। उनके विचार न केवल उस काल में बल्कि आज भी उतने ही आधुनिक, उपयोगी और समाज में सकारात्मकता के प्रवाह हेतु आवश्यक प्रतीत होते हैं। वर्तमान में समाज के लिए आवश्यक पांच परिवर्तन के विषय पर व.मौसी जी के विचार समझने का प्रयास करते हैं।

स्वदेशी को लेकर मौसी जी के विचार:

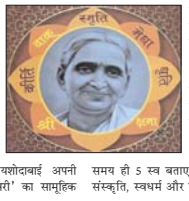

उनके बालपन से ही राष्ट्रभक्ति के अंदर अमिट संस्कार पड़े।मां यशोदाबाई अपनी सहेलियों को एकत्रित कर 'केसरी' का सामूहिक वाचन करती थी। उसका गहरा प्रभाव कमल(बचपन का नाम)के बाल मन का होता था। स्वदेशी के प्रति नितांत श्रध्दा का भाव व्याप्त था। घर में इन संस्कारों के कारण ही वह मिशनरी स्कूल में भी जागृत रही। अपने उद्बोधनों और आचरण में उन्होने तब के समय ही 5 स्व बताए थे। स्वदेशी, स्वभाषा, स्व संस्कृति, स्वधर्म और स्वावलंबन ही स्वाधीनता के आधार है। स्वदेशी हमारे लिए इसलिए आवश्यक है क्योंकि यह देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत करता है। जब हम देश में बने उत्पादों का उपयोग करते हैं, तो इससे हमारे किसानों, कारीगरों और छोटे उद्योगों को सीधा लाभ मिलता है। स्वदेशी अपनाने से न केवल आर्थिक मजबूती आती है, बल्कि यह हमारे राष्ट्रप्रेम का भी प्रतीक बनता है। इससे हम विदेशी निर्भरता को कम करते हैं और अपनी सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखते हैं। स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग हमारे समाज को आर्थिक, सांस्कृतिक और आत्मिक रूप से सशक्त बनाता है।

धर्म समाचार....

भगवान विष्णु की पूजा के समय राशि अनुसार करें इन मंत्रों का जप, नष्ट हो जाएंगे सभी कष्ट

सनातन शास्त्रों में निहित है कि वदों के रचयिता वेदव्यास जी की जन्म आषाढ़ पूर्णिमा के दिन हुआ था। इसके लिए आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस शुभ अवसर पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु और वेदव्यास जी की पूजा की जाती है। वैदिक पंचांग के अनुसार, गुरुवार 10 जुलाई को आषाढ़ पूर्णिमा मनाई जाएगा। इस शुभ अवसर पर बड़ी संख्या में साधक गंगा समेत पवित्र नदियों में आस्था की डुबकी लगाते हैं। इसके बाद भक्ति भाव से लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करते हैं। साथ ही दान-पुण्य करते हैं। आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा भी कहा जाता है। इसके लिए आषाढ़ पूर्णिमा के दिन गुरुओं की पूजा की जाती है। साथ ही गुरु दक्षिणा भी दिया जाता है। पूर्णिमा तिथि पर भगवान विष्णु की पूजा करने से साधक को शुभता का आशीर्वाद प्राप्त होता है। अगर आप भी लक्ष्मी नारायण जी की कृपा पाना चाहते हैं, तो आषाढ़ पूर्णिमा के दिन राशि अनुसार इन मंत्रों का जप करें ।

राशि अनुसार मंत्र जप

मेष राशि के जातक आषाढ़ पूर्णिमा के दिन पूजा के समय '? श्री तुलस्यै नमः और ? कृष्णाय नमः' मंत्र का जप करें।

वृषभ राशि के जातक आषाढ़ पूर्णिमा के दिन पूजा के दौरान '? देव्यै नमः और ? पुण्याय नमः' मंत्र का जप करें।

मिथुन राशि के जातक आषाढ़ पूर्णिमा के दिन पूजा के समय '? गौर्यै नमः और ? श्रीशाय नमः' मंत्र का जप करें।

कर्क राशि के जातक आषाढ़ पूर्णिमा को पूजा के समय '? श्रीमत्यै नमः और ? नवनीतनटनाय नमः' मंत्र का जप करें।

सिंह राशि के जातक आषाढ़ पूर्णिमा के दिन पूजा के दौरान '? शोभनायै नमः और ? अनन्ताय नमः' मंत्र का जप करें।

कन्या राशि के जातक आषाढ़ पूर्णिमा के दिन पूजा के समय '? कुलायै नमः और ? पीतवसने नमः' मंत्र का जप करें।

तुला राशि के जातक नआषाढ़ पूर्णिमा के दिन पूजा के दौरान '? कामाक्ष्यै नमः और ? बलिने नमः' मंत्र का जप करें।

वृश्चिक राशि के जातक आषाढ़ पूर्णिमा के दिन पूजा के समय '? भवित्र्यै नमः और ? मायिने नमः' मंत्र का जप करें।

धनु राशि के जातक आषाढ़ पूर्णिमा के दिन पूजा के दौरान '? सावित्र्यै नमः और ? सत्यवाचे नमः' मंत्र का जप करें।

मकर राशि के जातक आषाढ़ पूर्णिमा के दिन पूजा के दौरान '? चारिण्यै नमः और ? जगद्गुरवे नमः' मंत्र का जप करें।

कुंभ राशि के जातक आषाढ़ पूर्णिमा के दिन पूजा के दौरान '? धनवत्यै नमः और ? अव्यक्ताय नमः' मंत्र का जप करें।

मीन राशि के जातक आषाढ़ पूर्णिमा के दिन पूजा के दौरान '? शुचिन्यै नमः और ? दयानिधये नमः' मंत्र का जप करें।

कई मंगलकारी योग में मनाई जाएगी पुत्रदा एकादशी

सावन पुत्रदा एकादशी व्रत की महिमा का वर्णन शास्त्रों में निहित है। इस व्रत को करने से साधक पर लक्ष्मी नारायण जी की कृपा बरसती है। साथ ही जीवन में व्याप्त दुखों का नाश होता है। इस शुभ अवसर पर दान करने का भी विधान है। वैदिक पंचांग के अनुसार, 05 अगस्त को सावन पुत्रदा एकादशी मनाई जाएगी। यह पर्व हर साल सावन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है। सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होता है। इसके लिए एकादशी तिथि पर न केवल लक्ष्मी नारायण जी की, बल्कि भगवान शिव की भी भक्ति भाव से पूजा की जाती है। धार्मिक मत है कि सावन पुत्रदा एकादशी व्रत करने से साधक के सुख-सौभाग्य और वंश में वृद्धि होती है। इस व्रत को करने से पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में भी वृद्धि होती है।

ज्योतिषियों की मानें तो सावन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर कई शुभ और मंगलकारी संयोग बन रहे हैं। इन योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी। आइए, सावन पुत्रदा एकादशी की सही डेट, शुभ मुहूर्त एवं योग जानते हैं-

पुत्रदा एकादशी शुभ मुहूर्त - सावन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 04 अगस्त को सुबह 11 बजकर 41 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, 05 अगस्त को दोपहर 01 बजकर 12 मिनट पर एकादशी तिथि का समापन होगा। वहीं, पुत्रदा एकादशी का पारण 06 अगस्त को सुबह 05 बजकर 45 मिनट से लेकर सुबह 08 बजकर 26 मिनट तक किया जाएगा। साधक सुविधा अनुसार समय पर स्नान-ध्यान के बाद लक्ष्मी नारायण जी की पूजा कर व्रत खोलें।

nandgaon times JULAI-11-2.qxd 7/11/2025 12:02 AM Page 4

- क्रिकेट किट
- फुटबाल
- हॉकी किट
- योगा मेट

स्वाती स्पोर्ट्स

खिलाड़ियों एवं विद्यार्थियों के लिए विशेष छूट...

क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी, वॉलीबॉल, खो- खो, बैडमिंटन, बास्केट बॉल, थ्रो बॉल, शॉफ्ट बॉल, हाई जम्प, बॉक्सिंग रिंग, टेनिस बॉल, स्पोर्ट्स बॉल, रैकेट बेग, स्पोर्ट्स बॉटल, स्पोर्ट्स बेग, बैडमिंटन नेट, स्कोरल टेबल, बोर्ड गेम्स, टी- टी टेबल,टी-टी बॉल, टेबल टेनिस बैट, टी-टी बैट, ट्रैक शूट, जिम सामग्री, स्पोर्ट्स शूज, स्कूल बेग सहित सभी खेल सामग्री उपलब्ध...

स्टेडियम परिसर, कलेक्टोरेट के सामने राजनांदगांव, मो. 99819-65770, 88393-71971

शिवनाथ नदी में बाढ़ का पानी उतरने के बाद दिखने लगा है तबाही का मंजर

बाढ में सैकडो किसानो के थरहा व सब्जी बह गए, हजारो रुपए की क्षति पिछले वर्ष का नही मिला है मुआवजा और इस वर्ष भी सैकडो किसानो का फसल चौपट

अफ्शान खान

अंबागढ़ चौकी (नांदगांव टाइम्स)। शिवनाथ में आई बाढ के बाद तबाही का मंजर सामने आने लगा है। सबसे अधिक क्षति उन किसानो को हुई है जिन्होने हाल ही में खरीफ के फसल के लिए धान की बोआई की थी और खेतो में थरहा लगाया था एवं कछार में सब्जी उगाने बीज डाला था। बाढ में थरहा और बीज बह गए है। अब ऐसे किसानो को फिर से फसल के लिए तैयारी करनी पडेगी। षिवनाथ में बाढ से क्षेत्र के सैकडो किसानो को हजारो रूप्ए की आर्थिक क्षति का सामना करना पडा है।

रविवार से हो रही रूक रूक कर बारिश में आज विराम लग गया है। 72 घटे से हुई निरंतर बारिश से जीवनदायिनी नदी शिवनाथ नगर में उफ्न पर थी। मंगलवार एवं बुधवार को शिवनाथ में आई बाढ से नगर में नदी किनारे स्थित सैकडो किसानो के फसल बाढ के डूबान में आकर बह गए है। इससे नगर ही नही बल्कि शिवनाथ किनारे बसे गांव गौलीटोला, बिहरीखुर्द, बिहरीकला, कान्हे, धानापायली, सेम्हरबांधा, केसला, डोंगघाट, सिरांभाटा, सिरमुंदा, पांगरी, सांगली, थुहाडबरी, ब्राम्हणभेडी के सैकडो किसानो को आर्थिक क्षति का सामना करना पड रहा है। प्रभावित किसानो ने बताया की जब भी शिवनाथ में बाढ आता है तो उनके खेत बाढ में डूब जाते है । जिसके बाद या तो थरहा सड जाता है या फिर बह जाता है। और बीज बह जाते है। जिससे उन्हे बाढ का पानी उतरने के बाद दोबारा फसल लेने की तैयारी करनी पडती हैं। इससे उन्हे हजारो रूपए की क्षति का सामना करना पडता है। बाढ से प्रभावित किसान अब शासन प्रशासन से मुआवजा की मांग कर रहे है।

शिवनाथ में बाढ से दो दर्जन मकान डूबे

सोमवार व मंगलवार को शिवनाथ में आई बाढ से नगर में शिवनाथ नदी किनारे बसे वार्ड 12, 13 व 14 के दो दर्जन मकानो में बाढ का पानी घुस गया था। वार्ड 12 में तो छै मकान पुरी तरह बाढ से डूब गए थे। जबकि अन्य डेढ दर्जन मकानो में बाढ का पानी दो फीट व तीन फीट तक घुस गया था। स्थिती ऐसी आई की प्रशासन को सुरक्षा की दृष्टि से बाढ प्रभावित इन परिवारो को मकान खाली कराना पडा और नरेश पटेल, अनिल पटेल, किशुन पटेल, बृजभान निषाद, रामसाय पटेल के प्रभावित परिवार को अस्थाई तौर नगर पंचायत के मंगल भवन तथा टाउन हाल में ठहराना पडा। जंहा पर नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल मानिकपुरी एवं प्रशासन द्वारा बाढ आपदा से प्रभावित जनो को भोजन की व्यवस्था कराई गई ।

बाढ से नगर के सैकडो किसानो को आर्थिक क्षति

सोम व मंगलवार को शिवनाथ में आई बाढ से नदी किनारे खेती किसानी एवं कछार में सब्जी उगाने वाले सैकडो किसानो को आर्थिक क्षति का सामना करना पडा है। जानकारी के अनुसार शिवनाथ किनारे खेती एवं सब्जी उगाने वाले प्रदीप पटेल, रामराज पटेल, परमेष्वर पटेल, सुखचंद पटेल, रूखमन पटेल, बेदकुवर निषाद इत्यादि किसानो ने बताया की बाढ में उनके खेतो में लगे थरहा बह गए है। और सड गए है। जबकि बीज भी बाढ में बह गए है। इससे उन्हे अब पुन: नए सिरे

अपने खेतो में थरहा व बीज डालने पडेंगे। प्रभावित कृषकों ने शासन प्रशासन से मुआवजा की मांग की है।

पिछले साल का भी नही मिला मुआवजा

शिवनाथ के बाढ से प्रभावित किसानो ने बताया की उन्हे तो पिछले वर्ष का भी मुआवजा राशि नही मिल पाई है। वे पिछले एक वर्ष से मुआवजा की मांग को लेकर तहसील कार्यालय का चक्कर काट रहे है। लेकिन उन्हे पैसा मिलना तो दूर केवल बहानेबाजी कर टाल दिया जाता है। राजस्व कार्यालय यह भी नही बताता है की उन्हे मुआवजा मिलेगा या नही मिलेगा। प्रभावित किसानो ने अपना दुखडा सुनाते हुए बताया की पटवारी ने पिछले वर्ष बाढ उतरने के बाद क्षतिग्रस्त फसल व मकानो का मुआयना किया था। केस भी बनाए गए लेकिन मुआवजा नही मिला। आक्रोशित किसानो ने बताया की उन्होने मुआवजे की मांग को लेकर तहसील कार्यालय में धरना प्रदर्शन किया था। यहां उन्हे आश्वासन भी दिया गया। लेकिन उनकी मांगे अभी तक पुरी नही हुई और इस वर्ष उन्हे फिर से बाढ के आफ्त का सामना करना पडा।

गुरू हमें जीवन देता है : नीरज बाजपेयी

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। नगर की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था नीरज विद्या मंदिर (सीबीएसई) मोहड़ में गुरू पूर्णिमा

महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीपप्रज्वलन एवं माल्यार्पण से हुई। संस्था के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स एवं युवा शिक्षाविद इंजी. नीरज बाजपेयी सर ने अपने प्रभावी उद्बोधन में कहा कि गुरू के कार्यों का हर हाल में हमें अनुसरण करना चाहिए। 'गुरू' कल्पवृक्ष के समान होते हैं जिसकी छाया में विद्यार्थी के सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं। संस्था की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्रीमती पुष्पा बाजपेयी ने अपने उदबोधन में कहा कि 'गुरू' सर्वोच्च शक्ति संपन्न होते हैं। उनकी यह शक्ति योग्य शिष्य को ही स्थानांतरित होती है इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी को योग्यता हासिल करनी चाहिए। प्राचार्या सुश्री अंजुम जहान ने गुरू के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरू ईश्वर के तुल्य होते हैं और हमारे जीवन में उनके आगमन से ही ज्ञान का प्रकाश फैलता है। जिस तरह माँ हमें जन्म देती है उसी तरह गुरू हमें जीवन देता है।कार्यक्रम में संस्था के विद्यार्थियों ने गुरू पर केंद्रित सुमधुर भजनों की सिलसिलेवार प्रस्तुति दी।संस्था के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स श्रीमती सोनल बाजपेयी, इंजी. दिलीप तिवारी, श्री रितेश शर्मा, श्री नीरज कोटड़िया, श्री समीर पोद्दार, सुश्री कुंतल बाजपेयी एवं प्रशासक जी राम सिन्हा ने विद्यार्थियों को गुरूपूर्णिमा पर्व की बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति के समस्त पदाधिकारी , शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक अशोक कुमार पाण्डे द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया (प्रा.) लिमिटेड रायपुर से मुद्रित व गंजचौक राजनांदगांव से प्रकाशित, सम्पादक- अशोक कुमार पाण्डे, मो: 94252-43311 Email: nandgaontimes@gmail.com